

डॉ. जोनाथन ग्रीर, पुरातत्व और पुराना नियम, सत्र 3, प्रारंभिक इज़राइल

© 2024 जोनाथन ग्रीर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जोनाथन ग्रीर और पुराने नियम में पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 3, प्रारंभिक इज़राइल है।

वापसी पर स्वागत है। अब हम इतिहास और संस्कृति के कुछ बड़े चित्र के माध्यम से अपनी यात्रा शुरू करने जा रहे हैं जो हम पुराने नियम में देखते हैं, अब तीन सी की हमारी समझ से लैस हैं और साथ ही यह भी समझते हैं कि बाइबिल में विभिन्न पद्धतियाँ कैसे काम करती हैं और पुरातात्विक अध्ययन। इसलिए जब हम पुरातत्व और पुराने नियम या पुरातत्व और प्राचीन इज़राइल के बारे में बात करते हैं, तो हम उस मेरनेष्टाह स्टेल या मेरनेष्टाह स्टेल से शुरू करते हैं जिसका उल्लेख मैंने पिछली चर्चा में किया था। तो, यहाँ इसकी एक और छवि है।

और इसकी तिथि मिस्र के कालक्रम पर कुछ मतभेद है, लेकिन यह 1229 या 1209 ईसा पूर्व की है। तो, यह ऐतिहासिक समय-सीमा की बड़ी तस्वीर में है। कुछ लोग इसे निर्गमन के ठीक समय के आसपास रखेंगे, या तो थोड़ा पहले या थोड़ा बाद में।

इस बात पर चर्चा चल रही है कि पलायन कैसे हुआ। हम आने वाली स्लाइड में उस तक पहुंचेंगे। लेकिन यह, जब हम पुरातात्विक इज़राइल की बात करते हैं, तो यह पहला उल्लेख है जो हमारे पास एक व्यक्ति के रूप में इज़राइल का है।

और इस स्टील के टुकड़े की खोज काफी समय पहले, 1896 में, सर फ्लिंडर्स पेट्री द्वारा की गई थी, जो एक सनकी और कई मायनों में समस्याग्रस्त पुरातत्वविद् थे, जिन्होंने स्ट्रैटिग्राफी कैसे काम करती है, इसका पता लगाने के लिए शुरुआत के संदर्भ में इस क्षेत्र के लिए बहुत कुछ किया और साथ ही शुरुआती दौर में भी। डेटिंग का प्रयास करता है, और प्राचीन दुनिया के बारे में अपने ज्ञान और समझ में भी बहुत प्रतिभाशाली है। लेकिन यह फिरौन मेरनेष्टा का एक विजय गान, एक विजय स्टेल है, और वह कई अलग-अलग लोगों पर अपनी जीत का जश्न मना रहा है। और प्राचीन मिस्रवासियों के ऐसे शत्रु थे जिन्हें वे नौ धनुषों, मिस्र के इन नौ पारंपरिक शत्रुओं के अधीन कर देते थे।

और भजन के एक भाग में जिसका अनुवाद मैं यहां पढ़ूंगा, मेरनेष्टाह यही कहता है। सरदार साष्टांग लेटकर कहते हैं, शांति, मिस्र के पारंपरिक शत्रु नौ धनुषों में से कोई भी अपना सिर नहीं उठाता। लीबिया पर कब्जा कर लिया गया है जबकि हत्ती को शांत किया गया है।

कनान को लूट लिया गया है, और कुछ लोग इस भजन में एक वलय संरचना के लिए तर्क देंगे। तो, अब हम हट्टी को एक बड़े क्षेत्र, विशेष रूप से कनान, और हट्टी और कनान की इस इकाई के भीतर कुछ शहर-राज्यों और लोगों के रूप में सोच सकते हैं।

अशकलोन को ले जाया जाता है। गेजर को पकड़ लिया गया है। जेनोआम अस्तित्वहीन हो गया है।

और इसराइल बर्बाद हो गया है. इसका बीज नहीं है. यह संतान है.

और खुरू मिस्र के कारण विधवा हो गई है। सभी भूमियाँ शांति से एकजुट हो गईं। जो लोग चले गए उन्हें ऊपरी, निचले मिस्र के राजा ने अपने अधीन कर लिया और फिर अपना नाम मेरनेष्टाह देने से पहले उन्हें कई उपाधियाँ दीं।

तो यहाँ हमारे पास उन शहरों के साथ इज़राइल का उल्लेख है जिन्हें हम जानते हैं, अशकलोन और गेजर। और एक विशेष रूप से दिलचस्प बात यह है कि इज़राइल नाम किस तरह लिखा जाता है। आप इसे यहां स्क्रीन पर देख सकते हैं, और यह वास्तव में दूसरे तरीके से लिखा गया था।

मैंने इसे पलट दिया है ताकि हम बाएँ से दाएँ पढ़ सकें। लेकिन यह इज़राइल नाम है, यह वास्तव में एक आर है लेकिन आर और एल सेमिटिक से मिस्र में बदल जाता है। लेकिन मैं जो इंगित करना चाहता हूँ वह शब्द के अंत में ये संकेत हैं।

ये मिस्र में हैं जिन्हें हम निर्धारक कहते हैं और आप इन्हें नहीं पढ़ते हैं। तो यह यिसराइल या यिसराईर है। फिर, ये आपको उस शब्द के बारे में कुछ बताते हैं जो इसके पहले आता है।

इसलिए, इन निर्धारकों का उपयोग अक्काडियन में भी किया जाता है। वे शब्द के आरंभ में होते हैं। लेकिन यहां मिस्र में वे बाद में आते हैं और अशकलोन और गेजर, बैठे हुए पुरुष, बैठी हुई महिला के बजाय, तीन प्रकार के धक्कों वाला एक प्रतीक है जो इंगित करता है कि वे शहरी राज्य हैं, स्थापित लोग हैं।

यहां फेंकने वाली छड़ी इंगित करती है कि वे एक विदेशी लोगों का समूह हैं, और तीन स्ट्रोक, बहुवचन स्ट्रोक, इंगित करते हैं कि यह बहुवचन है। तो, इसके बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि यह इज़राइल को एक अस्थिर लोगों के रूप में पहचानता है, इसके विपरीत, आप जानते हैं, एम और गेजर और अशकलोन एक शहर में बसे हुए लोगों के रूप में हैं। तो, यह दिलचस्प है क्योंकि यह बाइबिल के ग्रंथों में प्रारंभिक इज़राइल के वर्णन से बहुत मेल खाता है, चाहे वह पलायन के तुरंत बाद या न्यायाधीशों के काल में हो।

आप समझ सकते हैं कि ये बहुत से लोग हैं जो इधर-उधर घूम रहे हैं, ऐसे लोग हैं जो झुंड, भेड़-बकरी और मवेशी चरा रहे हैं और तंबुओं में रह रहे हैं। बहुत से विद्वानों ने पुरातात्विक इज़राइल की पहचान में निर्धारकों के महत्व की ओर इशारा किया है। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, इस बात पर चर्चा है, इसे हल्के ढंग से कहें तो, यह बहस कि यह इज़राइल कौन है और क्या यह वही इज़राइल है जिसका उल्लेख बाइबिल में किया गया है। इसलिए, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हमें इसका उत्तर देने के लिए और अधिक डेटा की आवश्यकता होगी।

खैर, यह नाम से इज़राइल की पहली तरह की पहचान है। लेकिन डेटा का एक और प्रमुख टुकड़ा जो हम लाना चाहते हैं वह 12वीं और 11वीं शताब्दी ईसा पूर्व का बस्ती विस्फोट है। यह सर्वेक्षण डेटा पर आधारित है जहां विभिन्न पुरातत्वविदों ने पुरातात्विक युगों के बीच निपटान में बदलाव का आकलन किया है।

इसलिए, यदि हमारे पास अंतिम कांस्य युग है, लगभग 1550 से लगभग 1200 तक, कांस्य युग के अंत की अवधि के दौरान, इस अंतिम कांस्य युग की अवधि के अंत में, हमारे पास बहुत अधिक बस्तियाँ नहीं हैं जिनमें इस अवधि में लोग रहते थे . तो, कुछ कहेंगे 100 से नीचे। तो, कुछ आंकड़ों में, लैरी स्टीगर के अनुसार, हमें कनान में 88 कांस्य युग की बस्तियाँ मिली हैं और 36 विशेष रूप से पहाड़ी देश में।

यह कांस्य युग का अंत है। अब, लौह युग I में लगभग 1200 से 1000 तक क्या होता है? लोग अब आयरन I और आयरन II के बीच के संक्रमण को बाद की 10वीं और यहां तक कि 9वीं शताब्दी तक खींच रहे हैं। लेकिन वह कुछ और है, या बाद में 10वीं।

वैसे भी, समय की इस खिड़की में, हमारे पास बस्तियों का विस्फोट है। पहाड़ी देश में 88 से 678, या 36 से 319 तक लगभग 678 बस्तियाँ थीं। और फिर यह 10वीं या 9वीं शताब्दी से लेकर लौह युग II तक और भी जारी रहा।

तो लौह युग II में 852 तक, 557 विशेष रूप से पहाड़ी देश में। तो, हम जो देखते हैं वह कुछ बस्तियाँ हैं। ये स्वर्गीय कांस्य युग की महाशक्तियों के अवशेष या इन स्वर्गीय कांस्य युग की महाशक्तियों के जागीरदार हैं जिनके बारे में हम जल्द ही बात करेंगे।

और फिर बस्ती का यह विस्फोट जिसे जनसांख्यिकी द्वारा प्रजनन के संदर्भ में नहीं समझाया जा सकता है। यह वह नहीं है जो सांख्यिकीविद् हमें बताते हैं। यह बहुत अधिक वृद्धि और बहुत कम समय है।

तो, यह लोगों के एक समूह के बसने के मामले में बहुत अच्छी तरह से फिट बैठता है। बहुत से लोग साक्ष्य के इन दो टुकड़ों, मेरनेटा स्तेल और इस बस्ती विस्फोट को एक साथ रखेंगे, और कहेंगे, यहां हमारे पास प्राचीन इज़राइल, प्राचीन इज़राइल है। प्रश्न बना हुआ है: वे कहाँ से आये? तीसरा भाग इन विभिन्न बस्तियों की भौतिक संस्कृति की चर्चा है।

परंपरागत रूप से, पुरातत्वविदों ने एक विशेष स्थापत्य शैली पर ध्यान दिया है, चार कमरों का घर जिसमें एक आंगन, दो तरफ के कमरे और एक पीछे का कमरा होता है। और ध्यान दें कि यह स्थापत्य शैली इस बस्ती विस्फोट के साथ संयोजन में आती है। मैं विस्फोट में भी उल्लेख करने में विफल रहा, इनमें से कई साइटें, साइटों का प्रसार उन साइटों पर है जहां पहले कोई कांस्य युग की साइट नहीं थी, बस स्पष्ट बताने के लिए।

इसलिए, अधिक लोग अधिक स्थानों पर बस रहे हैं। परंपरागत रूप से, इन लोगों के साथ कई वास्तुशिल्प और भौतिक विशेषताओं की पहचान की गई है। चार कमरों का घर, कॉलर वाला

रिम स्टोर जार, जो अनाज और तेल के लिए एक बड़ा भंडारण बर्तन है, जिसमें एक विशिष्ट रिम और गर्दन होती है जिसे पहचाना जा सकता है।

माना जाता है कि इस समयावधि में सीढ़ीदार खेती को एक नवीनता या कम से कम विस्तारित माना जाता है। कुंड, ये बड़ी गुफाएँ, पानी इकट्ठा करने के लिए इलाके में निचले बिंदुओं पर चूना पत्थर में खोदे गए थे, जिन्हें पानी इकट्ठा करने से पहले प्लास्टर किया जाता था। और फिर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो जानवरों की हड्डियों से संबंधित है, विशेष आहार पैटर्न में मेरी रुचि है।

पुरातत्वविदों ने, मेरे जानवरों की हड्डियों के गुरु, ब्रायन हेस्से से शुरुआत करते हुए, जीव-जंतुओं की प्रोफाइल में एक अंतर देखा, जानवरों की हड्डियों के अवशेष पहाड़ी देश के स्थलों के साथ तटीय मैदानों के स्थलों से मिले हैं, जो पारंपरिक रूप से इज़राइल और फिलिस्तिन से जुड़े हुए हैं, इसमें कहीं अधिक थे फिलिस्तिन के पारंपरिक हृदय स्थल के तटीय मैदान में सुअर की हड्डियाँ। अब, उन्होंने इसे किसी भी जातीय पदनाम पर लागू करने में सावधानी बरतने की सलाह दी, लेकिन अधिकांश विद्वानों ने इसे हवा में फेंक दिया और ऐसी किसी भी साइट की पहचान करने के लिए आगे बढ़े, जहां इस्त्राएलियों के साथ सुअर की हड्डियां नहीं थीं और हर साइट जहां सुअर की हड्डियां पलिशियों के साथ थीं, जो कि नहीं है वह कह रहा था। हमारे पास इस पहेली का एक और टुकड़ा है, और वह है कनानी, वे भी सूअरों को इतना पसंद नहीं करते थे।

इससे चित्र जटिल हो गए हैं और इस बात पर बहस जारी है कि हम सुअर की हड्डियों का उपयोग कैसे कर सकते हैं। और इनमें से कई अन्य विशेषताओं को लेकर भी बहस जारी है। चार कमरों वाले मकान ऐसे स्थानों में खोजे गए हैं जो परंपरागत रूप से प्राचीन इज़राइल के नहीं हैं, इसलिए कॉलर वाले कमरे के स्टोर जार और छतों का आज तक पता लगाना बहुत मुश्किल है।

और, वास्तव में, जो लौह युग से जुड़े हैं, वे वास्तव में बहुत बाद के हैं। इसी तरह, कुंडों के साथ, आज तक जाना बहुत मुश्किल है, कई ऐतिहासिक इज़राइल और आहार पैटर्न से पहले के हैं, जैसा कि हम पहले ही बात कर चुके हैं। तो यहाँ डेटा है, लेकिन जैसा कि हमने उल्लेख किया है, यह जटिल है, यह आंशिक है, और विभिन्न व्याख्यात्मक ढाँचे हैं जिन्हें इस पर रखा जा सकता है।

अब, डेटा का एक और बड़ा टुकड़ा है जिस पर हमें चर्चा करने की ज़रूरत है जब हम पुरातात्विक इज़राइल के बारे में सोच रहे हैं, और वह विश्व इतिहास की बड़ी तस्वीर की तरह एक कदम पीछे है, स्वर्गीय कांस्य युग और लौह के बीच इस संक्रमण की आयु। कई विद्वान एक बड़े पतन पर ध्यान देंगे जो लगभग 1200 ईसा पूर्व, 1200 ईसा पूर्व का है, जहां आपके पास ये महान महाशक्तियां हैं जिन्होंने कांस्य युग के अंत में दुनिया पर शासन किया था जो रुक गई, कुछ हमेशा के लिए गायब हो गईं। तो, कांस्य युग के अंत के दौरान, आपको मिस्र और मेसोपोटामिया में सभ्यता के केंद्र याद होंगे। हमारे पास मिस्र की महाशक्ति थी।

मेसोपोटामिया में हमारे पास कुछ अलग-अलग महाशक्तियाँ थीं: एक दक्षिण में, बेबीलोन, एक उत्तर में, असीरिया, और उनसे पहले, मितन्नी। और फिर पश्चिम में, हमारे पास अनातोलिया में हिती साम्राज्य था। ये महाशक्तियाँ कम थीं, और वे बड़ी थीं, और वे ओरोन्टेस नदी पर बाइबिल

की भूमि के उत्तरी भाग में कादेश की लड़ाई में हितियों और मिस्रियों के बीच प्रसिद्ध टकराव के बीच इस भूमि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

तो, हितियों और मिस्रवासियों के बीच यह धक्का-मुक्की है। अंततः, वहाँ शांति स्थापित हो गई और मिस्र बाइबिल भूमि, इज़राइल, फ़िलिस्तीन पर हावी हो गया। और इसलिए इस क्षेत्र में, उनकी चौकियाँ और मिस्र की चौकियाँ होंगी, और इन्हें पुरातात्विक रूप से पुनर्प्राप्त किया गया है।

हम मिस्र की भौतिक संस्कृति की पहचान कर सकते हैं। हमने बड़ी संख्या में संकर संस्कृति भी देखी है जो स्थानीय कनानी संस्कृति के साथ मिश्रित है। लेकिन आपके पास ये उपरिकेंद्र हैं जो मिस्र को रिपोर्ट कर रहे हैं।

नील नदी के मध्य में, या नील नदी के प्रवाह के साथ, अमर्ना के संग्रह के माध्यम से हमें इस अवधि की अद्भुत जानकारी मिली है। यह तथाकथित विधर्मी राजा अखेनाटेन और उसके पिता अमेनहोटेप III का शहर है, लेवांत में उनके जागीरदारों को पत्रों का यह संग्रह। और ये आकर्षक पत्र हैं।

इससे काफी उत्साह पैदा हुआ, पहले तो काफी उत्तेजना हुई क्योंकि वे अक्सर इन हबीरू या इन एपिरू, इन भूमिहीन लुटेरों का उल्लेख करते थे जो आते थे और शहरों को नष्ट कर देते थे। और लोग यह पढ़ने का इंतजार करते रहे कि उनमें से एक का नाम जोशुआ या उसके जैसा कुछ हो सकता है। वास्तव में, हम इनमें से कुछ जागीरदारों के नाम जानते हैं, और बाइबिल सामग्री के बीच संबंध कुछ इस प्रकार है।

तो, यह उन लोगों के लिए जटिलताओं में से एक हो सकता है जो यह समझेंगे कि इस बिंदु पर पलायन पहले ही हो चुका है क्योंकि मिस्र इस भूमि पर दृढ़ता से नियंत्रण रखता है। यहां तक कि तथ्य यह है कि आपके पास इन शहर-राज्यों के विभिन्न शासकों के शिकायती पत्र हैं जो मिस्र के राजा को कहते हैं, हे, हमें अपने सैनिक भेजो, हम आपके वफादार जागीरदार हैं, इस क्षेत्र पर मिस्र के नियंत्रण की बात करते हैं।

लेकिन 12वीं सदी के अंत तक यह नियंत्रण थोड़ा ढीला पड़ने लगा। और 11वीं सदी तक मिस्र इस क्षेत्र से पूरी तरह खत्म हो गया था। तो क्या हुआ? खैर, सबसे पहले, सबूत।

हमारे पास विनाश की परतें हैं, प्रमुख शहर जिनमें न केवल दक्षिणी लेवांत के क्षेत्र में विनाश की परतें हैं, बल्कि एजियन तक भी, महान माइसेनियन सभ्यताएं ध्वस्त हो गई हैं। पूरे अनातोलिया में, हित्ती राजधानी हत्तुशा को इस समय नष्ट कर दिया गया था। साइप्रस, कुछ विनाश, लेकिन कुछ निरंतरता भी।

और फिर मिस्र और लेवांत। तो, हमारे पास साहित्यिक विवरण भी हैं। सबसे प्रसिद्ध मेडिनेट हाबू में रामसेस III का शवगृह मंदिर है, जिसमें जो कुछ भी हो रहा था उसका प्रतीकात्मक और पुरालेखीय विवरण है।

इस दृश्य में, आप देख सकते हैं कि यहां बंधे हुए समुद्री लोगों का एक समूह है, जिन्हें कुछ लोगों ने एक विशेष समुद्री लोगों के साथ पहचाना है, जिन्हें पेलेसेट के नाम से जाना जाता है। लेकिन ये काफी भयानक हैं, इनमें से कुछ ऐसे पाठ हैं जिनके बारे में आप पढ़ते हैं। और हमारे पास उगारिट के पत्र भी हैं जो मुझे फिल्मों के उन दृश्यों में से एक की याद दिलाते हैं जहां वे आ रहे हैं, वे आ रहे हैं, और कलम पृष्ठ से बाहर चला जाता है।

तो, कौन आ रहा है? खैर, हमारे पास रामसेस III की महान जीत का यह विवरण है। और, निःसंदेह, मिस्र के राजा, बाइबिल के बाहर के सभी प्राचीन निकट पूर्वी राजाओं की तरह, कभी नहीं हारे। जब वे हारे तब भी वे नहीं हारे।

यहां तक कि जब लड़ाई में हमारे दोनों पक्ष थे, तब भी वे कभी नहीं हारे। तो, अपने संस्करण में, वह इस बारे में बात करते हैं कि कैसे उन्होंने इसे, पश्चिम के इन लुटेरों को, इस समूह को, तथाकथित समुद्री लोगों के इस गठबंधन को बर्बाद कर दिया। चेकर, शेकेलिश, ये सभी पश्चिम के विभिन्न लोगों के नाम हैं।

और अब हम अनातोलिया से आने वाले कुछ लोगों को भी समझते हैं, जो भूमध्य सागर के पूर्वी तट के सामने आए थे, और रामसेस III ने उन्हें रोक दिया था। तो, उनके पास समुद्री युद्धों के ये महान प्रतीकात्मक चित्रण हैं। ज़मीनी लड़ाई की तस्वीरें हैं।

और फिर वह कहता है कि उसने उन्हें अपनी सीमा पर बसाया है। उसने इन पराजित लोगों को सीमा पर बसाया। ऐसा करना एक अच्छी बात है, खासकर यदि आप अपने दुश्मनों को अपनी सीमा पर ही बसाना चाहते हैं।

लेकिन फिर भी, यह आपके लिए मिस्र की रिपोर्टिंग है। तो, ऐसा लगता है कि समुद्री लोग कुछ हद तक सफल रहे लेकिन मिस्र बमुश्किल, मुश्किल से ही कायम रहा। और वास्तव में, इससे पहले कि हम आगे बढ़ें, रामसेस III इस अवधि का आखिरी महान फिरौन है, इससे पहले कि मिस्र लेवंत पर अपनी पकड़ खोना शुरू कर दे।

लेकिन इन समुद्री लोगों में से एक को मिस्र के शिलालेखों में पेलेसेट, पीएलएसटी, पेलेसेट के नाम से जाना जाता है। वहां कोई स्वर नहीं है, लेकिन हम कुछ स्वर डाल सकते हैं, और यह निश्चित रूप से पलिशियों की तरह लगता है। वास्तव में, अधिकांश विद्वान इस बात से सहमत होंगे कि यह वास्तव में पलिशती है, क्योंकि पलिशती इन समुद्री लोगों में से एक का एक उपसमूह है; कम से कम पहली पीढ़ी शायद लहरों में है।

फ़िलिस्ती संस्कृति के सेमेटिक संस्कृति के साथ एकीकरण के बारे में अब बहुत चर्चा हो रही है। इसकी प्रारंभिक समझ में, फ़िलिस्तीनी बस्तियों को पहाड़ी देश की संस्कृति के विपरीत एक विशेष भौतिक संस्कृति द्वारा पहचाना जा सकता था जिसके बारे में मैंने अभी पहले बात की है। तो, एक विशेष चूल्हे की संरचना, सुअर की हड्डियों की उपस्थिति, और मिट्टी के बर्तनों की एक विशेष शैली जिसका एजियन युग के मिट्टी के बर्तनों से संबंध है।

इतना रोमांचक, पाठ और कलाकृतियों और यहां तक कि छवियों के इस संयोजन ने पलिशितियों को पतन के ठीक इसी समय के आसपास दक्षिणी तटीय मैदान में ला खड़ा किया। तो यह बात बाइबिल में तटीय मैदान में पलिशितियों और पहाड़ी देश में इस्राएलियों के बीच संघर्ष की इन प्रारंभिक कहानियों के साथ बहुत, बहुत अच्छी तरह से फिट बैठती है। हालाँकि, भौतिक संस्कृति हमारी बाइबिल की कुछ कल्पनाओं की तुलना में थोड़ी अलग तस्वीर पेश करती है, जहाँ हम अपने पूर्वाग्रहों और पलिशितियों के कारण इस्राएलियों को अधिक परिष्कृत मानते हैं, यदि आप शब्दकोष में पलिशितियों को देखते हैं, यह कोई गंवार व्यक्ति है।

आप इसे भौतिक अवशेषों की व्याख्या में बढ़ते हुए देख सकते हैं, जबकि वास्तव में, यह दूसरा तरीका था। फ़िलिस्ती उस मैदान के महानगरीय निवासी थे जहाँ से अंतर्राष्ट्रीय मार्ग गुजरता था, और इस्राएली पहाड़ी लोग थे जो पहाड़ी देश तक ही सीमित थे। तो, यह कुछ साहित्यिक विवरण हैं।

उगारिटिक पत्रों में जहाज़ों को देखने और यह सोचने की बात होती है कि क्या कोई मदद मिलने वाली है, और फिर इन पत्रों का अचानक अंत हो जाता है। हाल के शोध ने इस उथल-पुथल के लिए पर्यावरणीय कारकों को टिगर के रूप में पहचाना है। तीव्र शुष्कता, शुष्कता जिसके कारण सूखे की एक श्रृंखला उत्पन्न हुई।

और फिर सीमित संसाधनों के साथ, सत्ता के पदों पर बैठे लोग उन संसाधनों के लिए होड़ करेंगे, और इससे राजनीतिक अशांति की लहर शुरू हो गई। और इसमें, लेकिन विशेष रूप से नहीं, एजियन और अनातोलिया से भूमध्य सागर के पूर्वी तट की नई भूमि में समुद्री लोगों की ये आवाजाही शामिल है। इसका परिणाम यह है कि कुछ महान सभ्यताएँ, अर्थात् अनातोलिया में क्रेटेशियस सभ्यता और एजियन में माइसेनियन सभ्यता, अब नहीं रहीं।

यह उन सभ्यताओं का अंत है। हम समुद्री व्यापार और आयात का अचानक अंत भी देख रहे हैं। दक्षिणी लेवंत में डी-शहरीकरण हो रहा है, लेकिन इसमें कुछ निरंतरता है।

तो, इनमें से अधिकांश चीजों के साथ, हम सामान्यीकरण में बात कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि असीरिया ने मेसोपोटामिया और इसी तरह, साइप्रस के कुछ हिस्सों में कुछ निरंतरता बनाए रखी है। लेकिन सामान्य तौर पर, जब हम दक्षिणी लेवंत में साइटों पर खुदाई कर रहे होते हैं, तो हम कांस्य युग की परतों के बीच अंतर को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, जहाँ हमारे पास लौह। में अधिक उपयोगितावादी कोर्सवियर के लिए सुंदर चित्रित बर्तन हैं। कुछ संरचनाएं अधिक प्रतीत होती हैं अस्थायी, निश्चित रूप से कांस्य युग के अंत की तुलना में कम स्मारकीय।

हमारे पास कई बस्तियाँ हैं जो भंडारण गड्डों द्वारा चिह्नित हैं; क्या लोग किसी तरह से रहते थे, हमारे पास खानाबदोश हैं जो बस रहे हैं, या क्या इन भंडारण गड्डों को अधिक स्थायी आवासों से जोड़ा जा सकता है, इस पर बहस बनी हुई है। अब, इसके साथ बड़ी तस्वीर, हम प्राचीन इज़राइल के बारे में बात करने के लिए समय में पीछे जाकर इसे क्यों दे रहे हैं? खैर, हमने पहले ही उल्लेख किया है कि हमारे पास मेरनेष्टाह स्तेल है, हमारे पास यह निपटान विस्फोट है, और

अब हम पीछे हट गए हैं और भू-राजनीतिक स्थिति की बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं। खैर, यह वह संदर्भ है जिसमें प्रमुख साम्राज्य अब ढह गए हैं या कमजोर हो गए हैं।

हमारी भूमि पर ये सभी साम्राज्य उभर रहे हैं। खैर, इन छोटे राज्यों में से एक को हम इज़राइल के रूप में पहचान सकते हैं। इसलिए, जब हम इन सभी टुकड़ों को एक साथ रखते हैं, और हम बड़ी तस्वीर, बाइबल की कहानी को देखते हैं, तो ये टुकड़े बड़ी समय सीमा के लिए बहुत अच्छी तरह से फिट होते हैं, जो हो रहा है उसकी बड़ी तस्वीर।

इस समय और इस स्थान में इज़राइल इन नवोदित राज्यों में से एक है जो कांस्य युग के पतन की राख से उभरा है। हमारे यहां वर्णमाला का अधिक व्यापक उपयोग भी शुरू हो गया है। इसलिए, पुराने नियम के अध्ययनों में शास्त्रवाद एक गर्मागर्म बहस का विषय है, जहां हम जानते हैं कि इसकी शुरुआत हुई थी, वर्णमाला का आविष्कार काफी पहले हो गया था।

दरअसल, नए सबूत इस तथ्य की ओर इशारा कर रहे हैं कि इसका आविष्कार उससे भी पहले हुआ था जितना हमने पहले सोचा था। तो, 1700 ईसा पूर्व, यहाँ तक कि 1800 ईसा पूर्व की तरह, चित्रलिपि लिपि से एक अनुकूलन, जैसा कि यह मिस्र के चित्रलिपि में काम करता है और इसी तरह अक्काडियन संकेतों के साथ, आप एक संकेत को एक निर्धारक के रूप में कार्य कर सकते हैं जिसके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं। आप इसे एक ध्वनि के रूप में कार्य कर सकते हैं, लेकिन आप इसे एक संपूर्ण शब्द के रूप में भी कार्य कर सकते हैं, या आप इसे एक शब्दांश के रूप में कार्य कर सकते हैं।

तो, ऐसे कई अलग-अलग तरीके हैं जिनसे विभिन्न संकेत कार्य कर सकते हैं। वर्णमाला की सुंदरता यह है कि यह इसे केवल ध्वनि तक सीमित रखती है। और इसलिए, आपके पास संकेतों का एक सीमित सेट हो सकता है, युगेरिटिक में 20 से लेकर 30 तक, जो विभिन्न ध्वनियों का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं और भाषा को बहुत अधिक सरलता से व्यक्त कर सकते हैं।

इसलिए भले ही इसका आविष्कार किया गया हो, लेकिन वर्णमाला का यह विचार बहुत पहले ही बन गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि बाद में इसे पकड़ लिया गया। अधिकांश इस बात से सहमत होंगे कि 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व तक, यह अधिक व्यापक था। हमारे पास इसके बहुत सारे पुरातात्विक साक्ष्य हैं।

बीच की उन शताब्दियों में, लेखन के विस्फोट को लेकर विद्वानों में मतभेद होंगे। लेकिन इस संदर्भ में ऐसा प्रतीत होता है, यहां तक कि कांस्य युग के उत्तरार्ध की लिपिक संस्कृति का तथ्य भी, जो अब स्थानीय राज्यों में अनुकूलित हो रही है, यह वह समय सीमा है जब महाशक्तियों के अलावा कोई भी व्यक्ति एक मुंशी को नियुक्त कर सकता है। तुम्हें मालूम है, शास्त्री चले नहीं गये।

जहां वे गए थे? उन्होंने किस भाषा, किस भाषाई संसार को अपनाया? और हमारे पास लेखन की उत्पत्ति छोटे उपरिकेंद्रों में है। तो यहाँ पर कांस्य युग और लौह युग के बीच के इस संक्रमण में,

यहीं पर हममें से कुछ लोग इन बाइबिल ग्रंथों की उत्पत्ति देखेंगे जिन्हें हमने अब बाइबिल में बाद के रूपों में संरक्षित किया है। तो, यह एक महत्वपूर्ण समय है।

तो, उस संदर्भ में, पूर्वजों की ये कहानियाँ क्या हैं जिन्हें हमने बाइबिल में संरक्षित किया है? इसलिए, पहली चीज जो मैं करना चाहता हूँ वह यह है कि हम पूर्वजों की कहानियों के बारे में बात करने से पहले अमेरिकी इतिहास पर तेजी से आगे बढ़ें और इम्मानुएल लुत्ज़ की एक बहुत प्रसिद्ध पेंटिंग की छवि डालें, जिसने 1851 में वाशिंगटन के डेलावेयर के क्रॉसिंग को दर्शाया था। 1776. और आप देख सकते हैं कि यह काफी वीरतापूर्ण चित्रण है। और कई लोग इस चित्रण के साथ ऐतिहासिक समस्याओं की ओर इशारा करेंगे।

सबसे पहले, आओ, जॉर्ज, क्या तुम हिमखंडों के बीच नाव की ढलानों पर इस तरह खड़े होने जा रहे हो? यह बिल्कुल स्मार्ट नहीं लगता. और मेरा मतलब है, हमें आपके पीछे घोड़े और नावें मिलीं। यदि आप डोंगी में रहे हैं, तो आप जानते हैं कि आपको डोंगी में कुत्ता भी नहीं चाहिए जब तक कि उसका व्यवहार अच्छा न हो, घोड़ा तो दूर की बात है।

तब हमें एक अमेरिकी ध्वज मिला, जिसे पांचवें राष्ट्रपति जेम्स मोनरो ने पकड़ रखा था, जो उनके पीछे हैं। वह युद्ध में था, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह जॉर्ज के ठीक पीछे था या नहीं। और उसके पास एक अमेरिकी झंडा है, लेकिन बेट्सी रॉस ने अभी तक सिलाई शुरू नहीं की है।

यह तो दिलचस्प है. और फिर देखो नाव में कौन है। हमारे पास एक टेनेसी फ्रंटियर्समैन, एक स्कॉटिश आप्रवासी, एक अफ्रीकी-अमेरिकी, एक महिला है।

हमारे पास कई अलग-अलग मूल अमेरिकी लोगों का प्रतिनिधित्व है। यह काफी इकाई है, काफी इकाई है। और इसलिए, लोग कहेंगे कि यह ऐतिहासिक रूप से प्रासंगिक नहीं है।

लेकिन मैं कहता हूँ, चिंता न करें, क्योंकि मैं वास्तव में, इसके बारे में बहुत कम जानता हूँ, लेकिन मेरे पास इसकी वास्तविक तस्वीर है कि यह वास्तव में कैसा दिखता था, यह वास्तव में कैसा दिखता था। तो, आप तैयार हैं? यह वास्तव में ऐसा दिखता था। यह एक आश्चर्यजनक हमला था.

क्रॉसिंग रात में थी. तो ऐसा नहीं था, आप कुछ भी नहीं देख सकते थे। यह वास्तव में ऐसा ही दिखता था।

तो फिर सवाल यह उठता है कि यहाँ क्या दर्शाया जा रहा है? क्या हो रहा है, क्या यहां इतिहास का चित्रण किया जा रहा है? खैर, हाँ, यह एक वास्तविक ऐतिहासिक घटना थी। लेकिन यह उसी पर वापस जाता है जिसके बारे में हम बात कर रहे थे, जहां कहानी इतिहास को सूचित करने के बजाय इतिहास कहानी बताती है। यह ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है, लेकिन यह केवल तथ्यों से कहीं अधिक है।

यह 19वीं सदी के मध्य के एक परिप्रेक्ष्य को दर्शाता है, जिसमें उन्होंने अपने देश में जो कल्पना की थी और वह जो उम्मीद कर रहे थे वह संयुक्त राज्य अमेरिका में पूरा होगा। आशा का एक सितारा है, यह विचार कि हम सभी इस नाव में एक साथ हैं, चाहे हमारी जातीय पृष्ठभूमि कुछ भी

हो, हमारा मूल देश कोई भी हो, हमारी भाषाई पृष्ठभूमि कुछ भी हो जिसके लिए हम जा सकते हैं। यह उस प्रकार का संदेश है जिसे वह एक ऐतिहासिक घटना के आधार पर संप्रेषित करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन अर्थ की परतों से समृद्ध है जो विशेष घटनाओं से परे है।

इसलिए, मैं इसे एक उदाहरण के रूप में उपयोग करना पसंद करता हूँ कि बाइबल अपनी कई कहानियों में क्या कर रही है। इसकी जड़ें बहुत हद तक प्राचीन विश्व में हैं। यह वास्तविक लोगों, वास्तविक स्थानों और वास्तविक समय की वास्तविकताओं में निहित है।

लेकिन यह और भी बहुत कुछ है। याद रखें, यह अंततः भगवान और उसके लोगों के बारे में एक कहानी है और यह रिश्ता कैसे काम करता है। यह, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, हमें उस तरह से एक ऐतिहासिक विवरण देने की कोशिश नहीं कर रहा है जैसा हम चाहते हैं।

यह वास्तव में ऐतिहासिक दंभ है, या शायद हम अहंकार भी कह सकते हैं, कि हम चाहते हैं कि यह हमें उस रूप में दे जैसा हम चाहते हैं कि यह उस रूप में हो, न कि जिस रूप में यह है। इसलिए, इससे पहले कि हम बाइबिल की कहानियों के बारे में बात करें, मैं इसे एक अनुस्मारक के रूप में रखना चाहता था कि इनमें से कई कहानियाँ अतीत की घटनाओं, लोगों और स्थानों और समय का कलात्मक प्रस्तुतीकरण हैं। तो, हम उस प्राचीन संस्कृति के साक्ष्य देखने जा रहे हैं।

लेकिन हमें यह भी याद रखने की ज़रूरत है, हमें इस विचार पर ध्यान देने की ज़रूरत है कि यह उस पीढ़ी के लिए कुछ कह रहा है जो कहानी सुना रही है। तो, वह हम पूर्वजों की इन कहानियों में देखते हैं। और हम उत्पत्ति की कहानियों से शुरू करते हैं।

तो, उत्पत्ति के पहले 11 अध्याय, जिनके बारे में कई लोग कहेंगे, बाद में भी लिखे गए थे, शायद राजशाही के समय में। लेकिन वे प्राचीन निकट पूर्व की दुनिया में बहुत उलझे हुए और डूबे हुए हैं। तो पुरातात्विक रूप से, इनमें से कई कहानियों के बारे में हम बात करने जा रहे हैं, पुरातात्विक साक्ष्य एक अलग तरीके से काम करते हैं।

हम प्राचीन ग्रंथों को देख रहे हैं जो मेसोपोटामिया और मिस्र से खोदकर निकाले गए हैं, यह समझने के लिए कि हमारे पास एक ऐसी दुनिया है जिसे यहां संप्रेषित किया जा रहा है और इसे एक विशेष साहित्यिक शैली, एक शैली में बताया गया है। और ये चीज़ें कैसे तुलना और विरोधाभास करती हैं? तो, हमारे पास बाइबिल की कहानी रचना है। हमारे पास अनेक सृजन खाते हैं, उत्पत्ति 1 और फिर उत्पत्ति 2, 4, और निम्नलिखित।

फिर हमारे पास अन्य स्थानों पर कुछ अवशेष हैं, भजन 74। और फिर हमारे पास यह मानवीय विद्रोह है। तब हमारे पास यह महान बाढ़ होगी।

फिर मानव जाति का प्रसार हुआ। हमारे पास प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों में, कभी-कभी इसी क्रम में, इन्हीं चीज़ों का वर्णन मिलता है। और उनकी तुलना और विरोधाभास करके, हम विशेष कहानियों के विभिन्न महत्वों को देख सकते हैं।

कई बार, हम इस चौकोर खूँटी को एक गोल छेद में निचोड़ने की कोशिश में लगे रहते हैं, जिस तरह के सवाल का जवाब हम इन कहानियों से चाहते हैं, आमतौर पर विज्ञान या इतिहास के बारे में। ये ऐसी किसी भी चीज़ के बारे में पहली और महत्वपूर्ण बात नहीं हैं। वे जो संप्रेषित कर रहे हैं उसका उद्देश्य कहीं अधिक बड़ा है।

वे भगवान और उसके लोगों के बारे में बात कर रहे हैं और यह सब कैसे काम करता है। मैं सिर्फ एक उदाहरण बताना चाहता हूँ कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण, वास्तव में महत्वपूर्ण क्यों है। ऐसा तब होता है जब हम गलत प्रकार के प्रश्नों का लक्ष्य रखते हैं, हम उन आवश्यक चीज़ों से चूक जाते हैं जिनके बारे में बाइबल बता रही है।

इसलिए, यदि आप उत्पत्ति, सृजन, विकास, इन सभी प्रकार की चीज़ों के कुछ निश्चित क्षेत्रों में होने वाली सभी बहसों के बारे में सोचते हैं, जब हम उन चीज़ों के बारे में बात करते हैं, बजाय इसके कि हम इसके प्राचीन संदर्भ में संप्रेषित की जा रही सामग्री के बारे में बात करते हैं, तो हम कुछ आश्चर्यजनक महत्वपूर्ण चीज़ें छूट गईं। उदाहरण के लिए, भगवान की छवि को लीजिए। भगवान की छवि, जब इसे इसके प्राचीन निकट पूर्वी संदर्भ में समझा जाता है, तो प्राचीन लोग इससे बहुत परिचित रहे होंगे, लेकिन उस तरह से नहीं जैसा कि हम आमतौर पर इसके बारे में सोचते हैं।

वे परमेश्वर की छवि के बारे में जानते थे। राजा ईश्वर के प्रतिरूप थे। राजा और शासक, मूर्तियों, छवियों और चिह्नों के रूप में, किसी न किसी तरह भगवान की छवियाँ भी थे।

इसलिए, प्राचीन निकट पूर्व के विभिन्न हिस्सों में उनकी अलग-अलग समझ थी, लेकिन वे छवि और शासक, राजा के बीच घनिष्ठ संबंध को समझते थे। और अब आपके पास उत्पत्ति 1 में यह उद्घोषणा है कि सभी मनुष्य, पुरुष और महिला, किसी भी इच्छित पदानुक्रम की परवाह किए बिना, जिसे हम बना सकते हैं, जैसे कि नस्ल या किसी भी प्रकार के लिंग पदानुक्रम जैसे सामाजिक निर्माण द्वारा, ये चीज़ें इस अवधारणा में लुप्त हो गई हैं ईश्वर सभी मनुष्यों को अपनी छवि से, अपनी छवि से परिपूर्ण कर रहा है। हम इसे बिल्कुल विपरीत रूप में देख सकते हैं जब हम इन प्राचीन अवधारणाओं से परिचित होते हैं जिन्हें हम पुरातात्विक जानकारी के माध्यम से प्राप्त प्राचीन ग्रंथों से जानते हैं।

तो, यह एक उदाहरण होगा। हम इनमें से प्रत्येक के लिए आगे बढ़ सकते हैं। हमारे पास पैतृक कहानियाँ भी हैं, इब्राहीम और सारा, इसहाक और रेबेका की कहानियाँ, और फिर हम जैकब की ओर बढ़ते हैं, और हमारे पास लिआ और राहेल और अन्य पत्नियाँ भी हैं जो सृजन करना जारी रखती हैं, या उन सहवास के माध्यम से, संदर्भ प्रदान करती हैं आदिवासी संरचना जिसके बारे में हम पुराने नियम के बाकी हिस्सों में पढ़ते हैं, इज़राइल की तथाकथित 12 जनजातियाँ, जिनमें अलग-अलग क्रम और समावेशन हैं, जिनमें आधी जनजातियाँ और लेवियों की चर्चा शामिल है जो यहाँ प्रत्यक्ष चर्चा से परे हैं।

लेकिन हमारे पास कई पुरातात्विक समानताएँ हैं जो इस अवधि के लिए इंगित की गई हैं, सांस्कृतिक समानताएँ, कि बाइबिल के अध्ययन के प्रारंभिक काल में बहुत उत्साह उत्पन्न हुआ था, इन कहानियों को एक विशेष ऐतिहासिक काल से जोड़कर। बाद के विद्वानों ने आगे आकर

सही ढंग से दिखाया है कि समस्या यह है कि इनमें से कई सांस्कृतिक समानताएं, जैसे सरोगेट गोद लेना, कई अवधियों और ऐतिहासिक अवधियों में जारी रहती हैं। इसलिए, इन कहानियों को तारीख के आधार पर किसी विशिष्ट समय-सीमा में रखने की कोशिश में जटिलताएं हैं, लेकिन फिर भी वे मूल्यवान हैं, जो हमें फिर से घूम रहे लोगों की इन कहानियों के इस प्राचीन संदर्भ की याद दिलाती हैं।

तंबू में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हुए, बड़े ऐतिहासिक संदर्भ को याद रखें। हमारे पास पलायन भी है, जो कि ईश्वर की मुक्ति का सर्वोत्कृष्ट कार्य है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया है। इसका कोई स्पष्ट पुरातात्विक साक्ष्य नहीं है।

ये एक समस्या है। हालाँकि, हमें कहानी के भीतर ही कई संकेत मिले हैं कि लेखक, शास्त्री, प्राचीन मिस्र की संस्कृति से बहुत अच्छी तरह परिचित हैं। कहानी में काफी हद तक मिस्र का स्वाद है जो मिस्र के ऐतिहासिक काल के संदर्भ के साथ इस कहानी की परिचितता को प्रदर्शित करता है।

ये कब गिरेंगे, इस पर बहस चल रही है, लेकिन कुछ उधार शब्द भी हैं। कहानी के ऐसे तत्व हैं जो एक जगह पर दूसरी जगह से बेहतर फिट बैठते हैं, जिससे कई लोगों को यह सुझाव मिला है कि वास्तव में, यहां एक सहसंबंध है, भले ही यह उस विशिष्ट तरीके से न हो जैसा कई लोग चाहेंगे। तो, कुछ लोगों के बीच एक लोकप्रिय सिद्धांत यह है कि एक छोटा समूह था जो मिस्र से आया था।

यह इन अन्य लोगों के साथ जटिल हो जाता है जो बाद में प्राचीन इजराइल में बदल जाते हैं। लेकिन कई लोग जो यह सुझाव देते हैं, उनका कहना है कि बाइबल की गवाही भी एक मिश्रित भीड़ है जो मिस्र से आती है। और इसकी एक तस्वीर हमें उन कहानियों के वर्णन में मिलती है जो विजय और उसके बाद न्यायाधीशों की अवधि के बाद आती हैं।

और बाइबल इस अवधि पर अलग-अलग दृष्टिकोण देती प्रतीत होती है। एक अविश्वसनीय रूप से हिंसक और अचानक है। और हममें से जो लोग धार्मिक संदर्भ में इन चीजों के बारे में गहराई से सोचते हैं, उनके लिए यह बहुत समस्याग्रस्त है।

ऐसा प्रतीत होता है कि, ईश्वर ने नरसंहार निर्धारित किया है। जब मैं इन पाठों को कक्षा में शामिल करता हूँ, तो मैं छात्रों को आतंक के इन ग्रंथों, पुराने नियम के इन हिंसक ग्रंथों को संबोधित करने के पहले चरण की याद दिलाता हूँ, चाहे वे युद्ध से संबंधित हों या महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार या व्यवहार से संबंधित हों। हमें यह याद रखना होगा कि इससे निपटने के लिए पहला कदम परेशान होना है।

ये भयानक कहानियाँ हैं। ये भयानक कहानियाँ हैं जो यीशु में चित्रित ईश्वर के चरित्र के बिल्कुल विपरीत प्रतीत होती हैं। इसलिए, यदि हम पहले परेशान नहीं हैं, तो हम इतिहास के साथ किसी प्रकार के संबंध में कूदने की कोशिश करने के लिए ईसाई होने के वास्तविक सार को छोड़ रहे हैं।

तो यह पहला कदम है. दूसरा, शैली के इस विचार को गहराई से समझना है, जिस तरह से कहानियाँ बताई जाती हैं। और कई अलग-अलग विद्वान, उस दूसरे चरण में, बहुत अलग-अलग विचारों के साथ आए हैं, जिनमें से कुछ ऐसे थे जो कभी घटित नहीं हुए थे, और यह सब अतिशयोक्तिपूर्ण तरीके से अलग-अलग समझ में बताया गया है कि वास्तव में उन्होंने क्या किया था।

दूसरों का सुझाव है कि भगवान ने खुद को दिखाने के लिए इस पाठ में खुद को गलत तरीके से चित्रित करने की अनुमति दी कि वह कौन थे। जहां मैं हूँ, ये कठिन पाठ हैं, बहुत कठिन पाठ हैं जिन पर हमें किसी भी प्रकार के निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सावधानीपूर्वक और सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत है और ऐसा कुछ नैतिक तनाव को खोने की कीमत पर नहीं करना चाहिए जो हमें करना चाहिए। इन पाठों को संलग्न करना। लेकिन बाइबल न्यायाधीशों में कुछ अलग या समानांतर परिप्रेक्ष्य को अधिक क्रमिक के रूप में और यहां तक कि जोशुआ के दूसरे भाग में भी अधिक क्रमिक प्रक्रिया के रूप में चित्रित करती है।

जहां विभिन्न कनानी लोगों को वहां की जटिल कहानियों की एक श्रृंखला में इज़राइल के सार में बुना गया है। पुरातत्व की दृष्टि से, फिर से, विद्वानों की एक पिछली पीढ़ी ने विनाश की परतों की एक श्रृंखला को नोट किया था जिसे वे तब पलायन की एक विशेष तिथि से जोड़ देंगे। और हममें से उन लोगों के बीच चर्चा, बहस होती है जो ऐतिहासिक पलायन की पुष्टि करते हैं कि क्या यह शुरुआती तारीख है या बाद की तारीख, 1400 के दशक के मध्य की शुरुआती तारीख, 1200 या 1100 के दशक की देर की तारीख।

इसलिए, उन लोगों के बीच भी बहस चल रही है जो ऐतिहासिक पलायन की पुष्टि करेंगे। लेकिन पुरातात्विक रूप से, जोशुआ में विशेष विवरणों के साथ विभिन्न विनाश परतों को रेखांकित करने में जटिलताएँ हैं। यदि कोई न्यायाधीशों की तस्वीर का अनुसरण करता है, जहां हमारे पास समय के साथ-साथ भौगोलिक रूप से भी फैला हुआ है, तो ये सभी डेटा इस बड़ी तस्वीर में एक साथ फिट होते हैं, जिस पर मैं पिछली स्लाइड में चर्चा कर रहा था।

और वह यह है कि, अगर हम याद रखें, तो हमें एक कहानी मिली है जो इन ग्रंथों का मुख्य लक्ष्य है। अब, यह कोई ऐसी कहानी नहीं है जो हवा में बनी हो, बल्कि यह एक ऐसी कहानी है जिसकी जड़ें वास्तविक दुनिया में हैं, और वह वास्तविक दुनिया उस कहानी को बताती है। इसलिए यदि हम प्रारंभिक लोगों इज़राइल में जो कुछ हम जानते हैं उसकी बड़ी तस्वीर पर नज़र डालें, ठीक इस पतन के समय, एक बस्ती विस्फोट, इस बारे में कुछ बहस कि हम विशेष रूप से भौतिक संस्कृति के साथ कैसे जुड़ सकते हैं, और फिर बाद के तथ्य कांस्य युग के पतन और उस संदर्भ में उत्पन्न होने वाली कहानियां उस संदर्भ में स्थिति का वर्णन करती हैं, हमारे पास बहुत सारे टुकड़े हैं जो बड़ी तस्वीर में एक साथ आते हैं जो सुझाव देते हैं कि इज़राइल, जैसा कि हमने कहानी में वर्णित किया है, समय में बहुत हद तक निहित है और जगह में।

तो यहीं हम राज्यों की ओर मुड़ने से पहले प्रारंभिक इज़राइल की इस चर्चा के लिए रुकेंगे।

यह डॉ. जोनाथन ग्रीर और पुराने नियम में पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 3, प्रारंभिक इज़राइल है।